नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न

① कानपुर में भीषण हत्याकांड करने के बाद अंगरेज़ों का सैनिक दल बिठूर की ओर गया। बिठूर में नाना साहब का राजमहल लूट लिया गया; पर उसमें बहुत थोड़ी संपत्ति अंगरेज़ों के हाथ लगी। इसके बाद अंगरेज़ों ने तोप के गोलों से नाना साहब का महल भस्म कर देने का निश्चय किया। सैनिक दल ने जब वहाँ तोपें लगाइ ँ, उस समय महल के बरामदे में एक अत्यंत सुंदर बालिका आकर खड़ी हो गई। उसे देख कर अंगरेज़ सेनापति को बड़ा आश्चर्य हुआ : क्योंकि महल लूटने के समय वह बालिका वहाँ कहीं दिखाई न दी थी। *(पृष्ठ 51)*

प्रश्न

(i) **अंग्रेज़ों ने कानपुर में हत्याकांड क्यों किया?**

(क) कानपुर को अपने राज्य में मिलाने के लिए

(ख) नाना को पकड़ने के लिए

(ग) नाना साहब को न पकड़ पाने की खीझ उतारने के लिए

(घ) अपनी शक्ति दिखाने के लिए

(ii) **अंग्रेज़ों का सैनिक दल बिठूर क्यों गया?**

(क) बिठूर वालों ने उन्हें बुलाया था

(ख) बिठूर में नाना साहब का महल नष्ट करने के लिए

(ग) बिठूर वालों ने उन्हें ललकारा था

(घ) नाना साहब से मित्रता करने के लिए

(iii) **सैनिक दल द्‌वारा तोप लगाने का क्या उद्‌देश्य था?**

(क) महल की रक्षा करना (ख) महल में घुसे सैनिकों को बाहर करना

(ग) महल को नष्ट करना (घ) महल को बाहरी शत्रुओं से बचाना

(iv) **अचानक बरामदे में आई बालिका कौन थी?**

(क) नाना साहब की पुत्री (ख) नाना साहब की भतीजी

(ग) मकान की रखवाली में नियुक्त सेविका (घ) मकान की सफाई के लिए नियुक्त सेविका

(v) **'एक अत्यंत सुंदर बालिका' वाक्यांश में प्रविशेषण कौन-सा शब्द है?**

(क) एक (ख) अत्यंत

(ग) सुंदर (घ) बालिका

उत्तर

(i) (ग) नाना साहब को न पकड़ पाने की खीझ उतारने के लिए

(ii) (ख) बिठूर में नाना साहब का महल नष्ट करने के लिए

(iii) (ग) महल को नष्ट करना

(iv) (क) नाना साहब की पुत्री

(v) (ख) अत्यंत

② सेनापति ने दुख प्रकट करते हुए कहा, कि कर्तव्य के अनुरोध से मुझे यह मकान गिराना ही होगा। इस पर उस बालिका ने अपना परिचय बताते हुए कहा कि–"मैं जानती हूँ, कि आप जनरल 'हे' हैं। आपकी प्यारी कन्या मेरी में और मुझ में बहुत प्रेम-संबंध था। कई वर्ष पूर्व मेरी मेरे पास बराबर आती थी और मुझे हृदय से चाहती थी। उस समय आप भी हमारे यहाँ आते थे और मुझे अपनी पुत्री के ही समान प्यार करते थे। मालूम होता है, कि आप वे सब बातें भूल गए हैं। मेरी की मृत्यु से मैं बहुत दुखी हुई थी; उसकी एक चिट्‌ठी मेरे पास अब तक है।" *(पृष्ठ 52)*

प्रश्न

(*i*) सेनापति दुख प्रकट करते हुए किससे बात कर रहा था?

(क) नाना साहब से (ख) मैना से

(ग) अउटरम से (घ) लार्ड केनिंग से

(*ii*) सेनापति से बालिका को अपना परिचय क्यों बताना पड़ा?

(क) क्योंकि सेनापति महल नहीं गिराना चाह रहा था

(ख) क्योंकि सेनापति परिचय पूछ रहा था

(ग) शायद परिचय जानकर वह महल को ध्वस्त न करें

(घ) इनमें से कोई नहीं

(*iii*) उस समय आप भी हमारे यहाँ आते थे–वाक्य में किस समय की ओर संकेत है?

(क) जब नाना साहब के विद्रोह का नेतृत्व किया था

(ख) 1857 के विद्रोह के पहले

(ग) विद्रोह का नेतृत्व करने के बाद का

(घ) इनमें से कोई नहीं

(*iv*) उसके पास किसकी चिट्ठी उस समय भी थी?

(क) नाना साहब की (ख) जनरल 'हे' की

(ग) अउटरम की (घ) 'मेरी' की

(*v*) 'मालूम होता है कि आप वे सब बातें भूल गए हैं'–वाक्य रचना के आधार पर वाक्य किस प्रकार का है?

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर

(*i*) (ख) मैना से **(*ii*)** (ग) शायद परिचय जानकर वह महल को ध्वस्त न करें

(*iii*) (ख) 1857 के विद्रोह के पहले **(*iv*)** (घ) 'मेरी' की।

(*v*) (ग) मिश्र वाक्य

③ सेनापति 'हे' कुछ क्षण ठहरकर बोले–"हाँ, मैंने तुम्हें पहिचाना, कि तुम मेरी पुत्री मेरी की सहचरी हो! किंतु मैं जिस सरकार का नौकर हूँ, उसकी आज्ञा नहीं टाल सकता। तो भी मैं तुम्हारी रक्षा का प्रयत्न करूँगा।"

इस समय प्रधान सेनापति जनरल अउटरम वहाँ आ पहुँचे, और उन्होंने बिगड़ कर सेनापति 'हे' से कहा–"नाना का महल अभी तक तोप से क्यों नहीं उड़ाया गया?"

सेनापति 'हे' ने विनयपूर्वक कहा–"मैं इसी फ़िक्र में हूँ; किंतु आपसे एक निवेदन है। क्या किसी तरह नाना का महल बच सकता है?" *(पृष्ठ 52)*

प्रश्न

(*i*) सेनापति ने निम्नलिखित में से किसको पहचाना?

(क) मेरी को (ख) मैना को

(ग) नैना को (घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) 'हे' किस सरकार के नौकर थे?

(क) अंग्रेज सरकार के (ख) भारत सरकार के

(ग) अमेरिकी दूतावास से (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) जनरल अउटरम 'हे' पर क्यों बिगड़ उठा?

(क) क्योंकि वे नाना को अभी तक नहीं पकड़ सके

(ख) उन्होंने नाना के महल को अब तक ध्वस्त नहीं किया था

(ग) उन्होंने नाना साहब को भागने का मौका दिया था

(घ) उन्होंने सैनिकों को महल में लूटपाट करने से मना किया था

(iv) 'हे' निम्नलिखित में से किस बात से चिंतित थे?

(क) मेरी की याद आ जाने से (ख) मैना की बातें सुनकर

(ग) महल की रक्षा के लिए (घ) नाना साहब को न पकड़ पाने के लिए

(v) 'विनयपूर्वक' शब्द व्याकरणिक आधार पर किस प्रकार का शब्द है?

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण (घ) क्रियाविशेषण

उत्तर

(i) (ख) मैना को **(iv)** (ग) महल की रक्षा के लिए

(ii) (क) अंग्रेज़ सरकार के **(v)** (घ) क्रियाविशेषण

(iii) (ख) उन्होंने नाना के महल को अब तक ध्वस्त नहीं किया था

④ सेनापति 'हे' मन में दुखी होकर वहाँ से चला गया। इसके बाद जनरल अउटरम ने नाना का महल फिर घेर लिया। महल का फाटक तोड़कर अंगरेज़ सिपाही भीतर घुस गए, और मैना को खोजने लगे, किंतु आश्चर्य है, कि सारे महल का कोना-कोना खोज डाला; पर मैना का पता नहीं लगा। *(पृष्ठ 53)*

प्रश्न

(i) सेनापति 'हे' क्यों चला गया?

(क) अउटरम का आदेश सुनकर (ख) अउटरम की महल ध्वस्त करने की मंशा जानकर

(ग) मैना ने कहा था (घ) उसे मेरी की याद आ रही थी

(ii) अउटरम ने नाना का महल पुनः क्यों घेर लिया?

(क) बचा खुचा धन लूटने के लिए (ख) नाना को खोजने के लिए

(ग) जिससे मैना बाहर न जा सके (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) अंग्रेज़ सिपाही महल के भीतर क्यों घुस गए?

(क) वे नाना के हथियार लूटना चाहते थे (ख) वे मैना को पकड़ना चाहते थे

(ग) वे मैना की सुरक्षा करना चाहते थे (घ) वे धन लूटना चाहते थे

(iv) महल के कोने-कोने में अंग्रेज़ सिपाही किसे खोज रहे थे?

(क) नाना साहब को (ख) नाना साहब के सेनापति को

(ग) नाना साहब के तोपची को (घ) नाना साहब की पुत्री को

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द महल का पर्याय है?

(क) प्रसाद (ख) प्रासाद

(ग) प्राचीर (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर

(i) (ख) अउटरम की महल ध्वस्त करने की मंशा जानकर

(ii) (ग) जिससे मैना बाहर न जा सके **(iv)** (घ) नाना साहब की पुत्री का

(iii) (ख) वे मैना को पकड़ना चाहते थे। **(v)** (ख) प्रासाद

5 "बड़े दुख का विषय है, कि भारत-सरकार आज तक उस दुर्दांत नाना साहब को नहीं पकड़ सकी, जिस पर समस्त अंगरेज़ जाति का भीषण क्रोध है। जब तक हम लोगों के शरीर में रक्त रहेगा, तब तक कानपुर में अंगरेज़ों के हत्याकांड का बदला लेना हम लोग न भूलेंगे। उस दिन पार्लमेंट की 'हाउस आफ़ लार्ड्स' सभा में सर टामस 'हे' की एक रिपोर्ट पर बड़ी हँसी हुई, जिसमें सर 'हे' नाना की कन्या पर दया दिखाने की बात लिखी थी। *(पृष्ठ 54)*

प्रश्न

(i) गद्यांश में वर्णित 'सरकार' से क्या तात्पर्य है?

(क) भारत में चलने वाली सरकार (ख) इंग्लैंड की सरकार

(ग) भारतीयों द्वारा चुनी गई सरकार (घ) इंग्लैंड के अधिकारियों द्वारा भारत में चलाई जा रही सरकार

(ii) अंग्रेज़ नाना को क्यों पकड़ना चाहते थे?

(क) वे नाना का महल जलाना चाहते थे (ख) वे नाना से तात्याँ का पता पूछना चाहते थे

(ग) नाना ने अनेक अंग्रेज़ों को मार दिया था (घ) अंग्रेज नाना को मित्र बनाना चाहते थे

(iii) नाना साहब ने भीषण हत्याकांड कहाँ किया था?

(क) पार्लमेंट में (ख) 'हाउस आफ लार्डस' में

(ग) कानपुर में (घ) बिठूर में

(iv) 'हे' की रिपोर्ट पर हँसी क्यों उड़ाई गई थी?

(क) उन्होंने नाना की प्रशंसा की बात लिखी थी (ख) उन्होंने इंग्लैंड वापस लौटने की बात कही थी

(ग) उन्होंने मैना की प्रशंसा की बात लिखी थी (घ) उन्होंने मैना पर दया दिखाने की बात लिखी थी

(v) बड़े दुख का विषय है कि भारत सरकार आज तक दुर्दांत नाना को नहीं पकड़ सकी।–रेखांकित अंश के उपवाक्य का नाम बताइए।

(क) संज्ञा उपवाक्य (ख) विशेषण उपवाक्य

(ग) क्रिया विशेषण उपवाक्य (घ) प्रधान।

उत्तर

(i) (घ) इंग्लैंड के अधिकारियों द्वारा भारत में चलायी जा रही सरकार

(ii) (ग) नाना ने अनेक अंग्रेज़ों को मार दिया था

(iii) (ग) कानपुर में

(iv) (घ) उन्होंने मैना पर दया दिखाने की बात लिखी थी।

(v) (क) संज्ञा उपवाक्य।

प्रश्न-अभ्यास

(*पाठ्यपुस्तक से*)

1. बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को कौन-कौन से तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया?

उत्तर बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को निम्नलिखित तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया–

(*i*) इस जड़ पदार्थ मकान ने अंग्रेज़ों का कुछ नहीं बिगाड़ा है।

(*ii*) उसके पिता का मकान होने के कारण यह मकान उसे अत्यंत प्रिय है।

(*iii*) अंग्रेजों के विरुद्ध शस्त्र उठाने वाले को आप सजा दीजिए।

(*iv*) आपकी पुत्री और मैं साथ-साथ खेलती थीं, तब आप भी यहाँ आया-जाया करते थे।

(*v*) आपकी पुत्री की एक चिट्ठी अब तक मेरे (मैना) पास है।

2. मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी पर अंग्रेज़ उसे नष्ट करना चाहते थे। क्यों?

उत्तर मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी क्योंकि इसी मकान में वह पल-बढ़कर बड़ी हुई थी। वह मकान उसके पिता का था जो उसे बहुत प्रिय था। मैना की दृष्टि में इस मकान ने अंग्रेज़ों का अहित नहीं किया है। इससे उसकी अनेक यादें जुड़ी हैं।

अंग्रेज़ उसे नष्ट करना चाहते थे क्योंकि नाना साहब जिन्होंने कानपुर में अंग्रेज़ों के खिलाफ हथियार उठाए थे तथा विद्रोह का नेतृत्व किया था, यह मकान उन्हीं का था। वे नाना साहब की हर वस्तु, नष्ट करना चाहते थे। वे नाना से बदला लेने के लिए ऐसा कर रहे थे।

3. सर टामस 'हे' के मैना पर दया-भाव के क्या कारण थे?

उत्तर सर टामस 'हे' के मैना पर दया भाव दिखाने के निम्नलिखित कारण थे–

(*i*) सन् 1857 के विद्रोह से पहले टामस 'हे' नाना साहब के घर आया-जाया करते थे।

(*ii*) मैना उसकी दिवंगत पुत्री मेरी की घनिष्ठ सहेली थी।

(*iii*) मैना के पास मेरी की चिट्ठी होने की बात सुनकर 'हे' भावुक हो गए थे।

(*iv*) टामस 'हे' मैना को अपनी पुत्री के समान ही प्यार करते थे।

4. मैना की अंतिम इच्छा थी कि वह उस प्रासाद के ढेर पर बैठकर जी भरकर रो ले लेकिन पाषाण हृदय वाले जनरल ने किस भय से उसकी इच्छा पूर्ण न होने दी?

उत्तर मैना को अपना राजमहल बहुत ही प्रिय था। उस मकान को अउटरम ने ध्वस्त कर दिया था। वह प्रासाद के अवशेष पर बैठकर रोना चाहती थी पर अउटरम ने इसकी अनुमति नहीं दी क्योंकि उसके विलाप से सैनिकों में भी सहानुभूति पैदा हो सकती थी। यह सहानुभूति अंग्रेज़ी सेना के विरुद्ध भावना भड़का सकती थी। इसके अलावा यह भी डर था कि मैना पर सहानुभूति दिखाने पर उसे अंग्रेज़ी सरकार के गुस्से का सामना करना पड़ सकता है। उसे मैना के साहसी स्वभाव ने भयभीत कर दिया था।

5. बालिका मैना के चरित्र की कौन-कौन सी विशेषताएँ आप अपनाना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर बालिका मैना के चरित्र की निम्नलिखित विशेषताएँ अपनाना चाहूँगा–

(*i*) **देश-प्रेम की भावना**–मैना में देश-प्रेम तथा देशभक्ति की भावना भरी थी। वह देश पर जान न्योछावर करने को तैयार थी।

(*ii*) **निडरता**–मैना निडर थी। महल ध्वस्त होने के बाद भी अंग्रेज़ सैनिकों के बीच निडर बनी रही। वह अंग्रेजी सेना से भयभीत होकर, छिपकर अन्यत्र नहीं गई।

(*iii*) **साहसी**–मैना साहसी थी। वह जनरल 'हे' से अपनी बातें साहस से कह देती है।

(*iv*) **वाक्पटुता**–मैना ने अपनी वाक्पटुता से अंग्रेज़ सेनापति 'हे' को महल न गिराने के लिए सोचने पर विवश कर दिया।

(*v*) **उत्सर्ग की भावना**—नाना के अचानक जाने और मकान गिराने के बीच वह भी कहीं जा सकती थी, पर उसने मातृभूमि पर अपनी जान देकर अपनी उत्सर्ग की भावना का परिचय दिया।

(*vi*) **भावुकता**—मैना जड़ पदार्थ महल से भी प्यार करती है। वह महल के अवशेष के लिए भी रोती है। ये गुण व्यक्ति में राष्ट्र-प्रेम एवं देशभक्ति की भावना मजबूत बनाते हैं। इसलिए मैं इन्हें अपनाना चाहूँगा।

6. 'टाइम्स' पत्र ने 6 सितंबर को लिखा था-'बड़े दुख का विषय है कि भारतसरकार आज तक इस दुर्दांत नाना साहब को नहीं पकड़ सकी।' इस वाक्य में 'भारतसरकार' से क्या आशय है?

उत्तर 6 सितंबर के टाइम्स पत्र में छपे वाक्य में प्रयुक्त 'भारत सरकार' का अर्थ है—भारत में शासन चलाने वाले ब्रिटिश या 'अंग्रेज़ी सरकार' से है क्योंकि भारत में उस समय वही शासन कर रही थी।

रचना और अभिव्यक्ति

7. स्वाधीनता आंदोलन को आगे बढ़ाने में इस प्रकार के लेखन की क्या भूमिका रही होगी?

उत्तर स्वाधीनता आंदोलन को आगे बढ़ाने में देशभक्तिपूर्ण और देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने के लिए प्रेरित करने वाले में इस प्रकार के लेखों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। इस तरह के लेख पढ़कर लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना बलवती हो उठती है। देश के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना उनके मन में भी जाग उठती है। बलिदानों की गाथाएँ उनमें जोश भर देती हैं। उन्हें दासता का बंधन ऐसा लगने लगता है कि जैसे कोई पक्षी पिंजरें में बंद जीवन जी रहा है। इन रचनाओं से आम आदमी भी अपना सब कुछ न्योछावर करने के लिए प्रेरित हो उठता है। इस तरह एक-न-एक दिन वह अपने लक्ष्य तक पहुँच ही जाता है।

8. कल्पना कीजिए कि मैना के बलिदान की यह खबर आपको रेडियो पर प्रस्तुत करनी है। इन सूचनाओं के आधार पर आप एक रेडियो समाचार तैयार करें और कक्षा में भावपूर्ण शैली में पढ़ें।

उत्तर **मैना के बलिदान पर एक रेडियो समाचार**—यह आकाशवाणी का..... चैनल है। आज के विशेष कार्यक्रम में मैना के बलिदान पर रेडियो समाचार प्रस्तुत किया जा रहा है। इसके प्रस्तुतकर्ता हैं श्री.....। कल अंग्रेज़ सरकार ने कानपुर के किले में ऐसा कायरतापूर्ण कृत्य किया जो इतिहास को कलंकित करता रहेगा। नाना साहब की जिस पुत्री मैना को जनरल अउटरम ने आधी रात को गिरफ्तार किया था, उसे हथकड़ी डाल रात में ही कानपुर के किले में डाल दिया था। समाचार यह है कि मैना को योजनाबद्ध तरीके से जलती आग में भस्म कर दिया गया। आग की भीषण लपटों में जलती उस बालिका के बलिदान को देश की स्वतंत्रता के लिए पवित्र मानकर कानपुर की जनता शीश झुका रही है। मैना के इस बलिदान से उसका नाम अमर हो गया है।

9. इस पाठ में रिपोर्ताज के प्रारंभिक रूप की झलक मिलती है लेकिन आज अखबारों में अधिकांश खबरें रिपोर्ताज की शैली में लिखी जाती हैं। आप—

(क) कोई दो खबरें किसी अखबार से काटकर अपनी कॉपी में चिपकाइए तथा कक्षा में पढ़कर सुनाइए।

(ख) अपने आसपास की किसी घटना का वर्णन रिपोर्ताज शैली में कीजिए।

उत्तर **(क)** दो खबरें

हिंदुस्तान 30 दिसंबर, 2009 से साभार

टीचर 65, प्रोफेसर 70 तक पढ़ाएँगे

मदन जैडा नई दिल्ली—प्राइमरी एवं मिडिल स्कूलों में शिक्षकों की कमी से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को मास्टरों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ शिक्षकों की रिटायरमेंट आयु 65 साल करने का निर्देश दिया है।

दिल्ली समेत कुछ राज्यों में पहले से ही टीचरों की आयु 62 साल की जा चुकी है, लेकिन ज्यादातर राज्यों में अभी भी टीचरों को 58 या 60 साल में रिटायर किया जाता है। केंद्र सरकार ने हाल में शिक्षा का अधिकार कानून (आरटीई) लागू किया है। इसमें 6-14 साल के सभी बच्चों को शिक्षा प्रदान करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन इसमें टीचरों की कमी आड़े आ रही है।

लो फ्लोर से फिर निकला धुआँ, अफरा-तफरी

कार्यालय संवाददाता नई दिल्ली–उत्तम नगर इलाके में मंगलवार की दोपहर एक लो फ्लोर बस में धुआँ निकलने से सवारियों में अफरा-तफरी मच गई। पिछले कुछ ही दिनों में बस से धुआँ निकलने की यह दसवीं घटना है, जिसने लो फ्लोर बसों की जाँच किये जाने संबंधी दावों की कलई खोलकर रख दी। यह बस इंद्रलोक से नजफगढ़ के बीच चलती है, लेकिन बस का रूट उत्तम नगर बस टर्मिनल पर खत्म होना था फिर वहां से यह बस आनंद विहार के लिए बनकर चलनी थी। सूत्रों के मुताबिक रूट संख्या 817 पर चलने वाली लो फ्लोर बस जब उत्तम नगर चौराहे पर पहुँची तो इंजन से धुआँ निकलने लगा। मामले की जानकारी मिलने पर चालक रूपेश ने सभी सवारियों को नीचे उतार दिया। फिर बस को उत्तम नगर टर्मिनल में खड़ा कर दिया गया।

(ख) कल रात अक्षरधाम फ्लाई ओवर के पास एक कार डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें दो लोग मामूली तौर से तथा एक गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से दो को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। तीसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि कार से बीयर, शराब, पानी की बोतल, खाली गिलास तथा कुछ खाद्य वस्तुएँ मिली हैं। तीनों ही युवक नशे की हालत में थे। इस बावत मंडावली पुलिस ने उनके खिलाफ नशा कर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने की धाराओं के तहत जुर्माना तथा मुकदमा दर्ज किया है।

10. आप किसी ऐसे बालक/बालिका के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए जिसने कोई बहादुरी का काम किया हो।

उत्तर हमारा देश पहले भी वीरांगनाओं के लिए प्रसिद्ध रहा है। ऐसे में आज की किशोरियाँ भला कहाँ पीछे रहने वाली हैं। उनके साहस और वीरता के किस्से आए दिन देखने और पढ़ने को मिल जाते हैं। ऐसी ही एक बहादुर लड़की ने अपनी जान पर खेल कर तीन लड़कियों को डूबने से बचाया। किस्सा भीलों के मोहल्ला, जिला टोंक (राजस्थान) का है। 23 जून, 2008 को 15 वर्षीय हिना कुरैशी व उसकी सहेलियाँ एक तालाब की सीढ़ियों पर कपड़े धो रही थीं। अचानक प्रीति 10 फुट गहरे तालाब में जा गिरी। यह देख कर कीर्ति ने बहन की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया, परंतु संतुलन बिगड़ने के कारण वह तालाब में जा गिरी। दोनों की मदद के लिए वहाँ स्नान कर रही 11 वर्षीय गुलप्सा उन्हें बचाने के लिए दौड़ी। हड़बड़ी में उसका पैर फिसला और वह भी पानी में जा गिरी। तीनों को ही तैरना नहीं आता था। तीनों को पानी में डूबता देख हिना की सहेलियाँ मदद के लिए चिल्लाईं। किसी को भी आगे आते न देख हिना ने तुरंत पानी में छलाँग लगा दी। पहले उसने गुलप्सा को बाहर निकाला। फिर कीर्ति व प्रीति को भी सुरक्षित बाहर निकाला। हिना के साहस की वजह से उस दिन तीन जिंदगियों को नया जीवन मिला। हिना की बहादुरी को सबने खूब सराहा। हिना को इस हिम्मत के लिए राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार दिया गया। बच्चो! इससे सबक मिलता है कि हमें संकट के समय कभी भी हौसला नहीं खोना चाहिए और हमेशा दूसरों की मदद करनी चाहिए।

भाषा-अध्ययन

11. भाषा और वर्तनी का स्वरूप बदलता रहता है। इस पाठ में हिंदी गद्य का प्रारंभिक रूप व्यक्त हुआ है जो लगभग 75-80 वर्ष पहले था। इस पाठ के किसी पसंदीदा अनुच्छेद को वर्तमान मानक हिन्दी रूप में लिखिए।

उत्तर सन् 57 के सितंबर मास में अर्द्ध रात्रि के समय चाँदनी रात में एक बालिका स्वच्छ उज्ज्वल वस्त्र पहने हुए नानासाहब के भग्नावशिष्ट प्रासाद के ढेर पर बैठी रो रही थी। पास में जनरल आउटरम की सेना भी ठहरी थी। कुछ सैनिक रात्रि के समय रोने की आवाज सुनकर वहाँ गए। बालिका केवल रो रही थी। सैनिकों के प्रश्न का कोई उत्तर नहीं देती थी।

कुछ और प्रश्न

I. उच्च चिंतन एवं मनन क्षमताओं का आँकलन संबंधी प्रश्नोत्तर

1. मैना की अंतिम इच्छा क्या थी? क्या उसकी इच्छा पूरी हो सकी?

उत्तर नाना साहब की पुत्री मैना का अपने प्रासाद से बहुत लगाव था, पर अंग्रेज़ों ने उसे नष्ट कर दिया था। वह इसी प्रासाद के भग्नावशेष पर बैठकर कुछ देर रोना चाहती थी और अनुमति भी माँगी पर जनरल अउटरम ने ऐसा नहीं होने दिया। इस प्रकार मैना की अंतिम इच्छा पूरी न हो सकी।

2. बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को अपना परिचय किस प्रकार दिया? इससे आपको क्या सीख मिलती है?

उत्तर बालिका मैना ने सेनापति 'हे' से परिचय देते हुए कहा, "आपकी पुत्री 'मेरी' मेरी सहेली थी। उसकी एक चिट्ठी अब तक मेरे पास है। उस समय आप भी यहाँ आया करते थे।"

इससे हमें साहस और विनम्रतापूर्वक अपनी बात कहने की प्रेरणा मिलती है।

3. जनरल अउटरम ने मैना के साथ कैसा व्यवहार किया?

उत्तर जनरल अउटरम ने मैना के साथ अत्यंत अमानवीय व्यवहार किया। उसने ध्वस्त राजप्रासाद के अवशेष पर बैठी मैना को पहचान लिया और मैना की अंतिम इच्छा को अनसुना कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसने मैना को जलती चिता में जिंदा जला दिया। उसका ऐसा व्यवहार मानवता को कलंकित कर गया।

4. नाना के महल में लूटपाट करने के बाद भी अंग्रेज़ नाना के महल को क्यों नष्ट करना चाहते थे?

उत्तर नाना साहब ने कानपुर में अंग्रेज़ों को भारी क्षति पहुँचाई थी। अंग्रेज़ नाना को पकड़कर दंड देना चाहते थे, पर वे नाना को न पकड़ सके। वे नाना का गुस्सा उनके महल पर उतारते हुए उनसे संबंधित हर वस्तु को नष्ट करना चाहते थे। इसी कारण वे महल को नष्ट करना चाहते थे।

5. मैना से उसका परिचय जानकर सेनापति 'हे' किस दुविधा में पड़ गए?

उत्तर मैना ने जब सेनापति 'हे' से अपना परिचय देते हुए कहा कि वह उनकी दिवंगत पुत्री मेरी की सहचरी है जिसकी एक चिट्ठी अब भी उसके पास है। मैना पहले से ही उनसे मकान नष्ट न करने का अनुरोध कर रही थी। सेनापति को कर्तव्य-बोध के कारण अंग्रेज़ी सरकार की आज्ञा माननी थी। अब वे क्या कदम उठाए, इस दुविधा में पड़ गए।

6. मैना का अनुरोध और परिचय पाकर जनरल 'हे' दुखी क्यों हुए?

उत्तर मैना का परिचय पाकर जनरल 'हे' के मन में मैना के अनुरोध पर सहानुभूति पैदा हो गई। वह मकान गिराना तो नहीं चाह रहे थे, परंतु वह अंग्रेज़ सरकार का सेनापति था, जिसका अपना कुछ कर्तव्य भी बनता था। वह कोई निर्णय न ले पाने के कारण बड़े दुखी हुए।

7. अकेली मैना सैनिकों के बीच घिरी होने पर भी क्यों नहीं डरी?

उत्तर मैना में साहस एवं निडरता कूट-कूटकर भरी थी। वह वीर योद्धा नाना साहब की पुत्री थी। देश के लिए बलिदान होने में उसे अपनी जान की मोह न थी। इसके अलावा उसका अपना परिवार एवं घर उससे अलग हो चुके थे इसलिए वह सैनिकों के बीच होने पर भी न घबराई, न डरी।

II. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. नाना साहब कौन थे? अंग्रेज़ उनसे नाराज क्यों थे?

उत्तर नाना साहब स्वतंत्रता प्रिय देशभक्त थे। उन्होंने 1857 के विद्रोहियों का नेतृत्व किया। उन्होंने कानपुर में अंग्रेजों के साथ युद्ध करते हुए अंग्रेज़ी सेना को भारी क्षति पहुँचाई थी। वे देश को अंग्रेज़ों से मुक्त कराना चाहते थे, इसलिए अंग्रेज़ उनसे नाराज थे।

2. मैना से उसका परिचय जानकार सेनापति 'हे' के होश क्यों उड़ गए?

उत्तर मैना ने जब बताया कि उनकी पुत्री और वह (मैना) घनिष्ठ सहेली थी। उस समय वह स्वयं भी मैना के राजमहल में आते जाते थे। उसने मित्रता के प्रमाण के रूप में उसकी चिट्ठी होने की बात कही। जनरल 'हे' ने बात स्वप्न में भी न सोचा था, इसलिए उनके होश उड़ गए।

3. लंदन से प्रकाशित लेख में नाना के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया गया है और क्यों?

उत्तर लंदन से प्रकाशित लेख में नाना के लिए 'दुर्दांत' विशेषण का प्रयोग किया गया है। अपने देश को आजाद कराने के लिए 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में नाना साहब ने विद्रोहियों का नेतृत्व किया और अंग्रेज़ी सेना को बहुत क्षति पहुँचाई थी। अंग्रेज़ नाना साहब को पकड़ न सके। इस विद्रोह के अगुआ होने तथा चालाकी से बच निकलने के कारण उनके लिए 'दुर्दांत' शब्द का प्रयोग किया गया है।

III. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. मैना के तर्क एवं अनुनय पर जनरल 'हे' ने मकान न गिराने का अनुरोध जनरल अउटरम से किया। उसने यह अनुरोध क्यों ठुकरा दिया?

उत्तर मैना के तर्क और अनुनय ने जनरल हे को मकान गिराने के बारे में सोचने पर विवश कर दिया। उसने वह मकान बचाने का प्रयास किया, किंतु अंग्रेज़ी सेना के प्रधान सेनापति अउटरम को आशा थी कि अब तक नाना का महल ध्वस्त हो चुका होगा, किंतु महल गिराने के जगह महल बचाने का अनुरोध सुनकर उसने बताया कि गवर्नर जनरल की आज्ञा के बिना यह संभव नहीं है। क्रोधित अंग्रेज़ नाना या उनके किसी वंशज पर दया दिखाना नहीं चाहते थे, इसलिए उसने यह अनुरोध ठुकरा दिया।

2. 'नाना साहब की पुत्री मैना देवी को भस्म कर दिया गया'–पाठ में मैना के वर्णन के माध्यम से युवाओं को क्या संदेश दिया गया है?

उत्तर नाना साहब की पुत्री मैना देवी के वर्णन से माध्यम से युवाओं को यह संदेश दिया गया है कि अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना तन-मन-धन अर्थात् सब कुछ अर्पित कर देना चाहिए। इसकी रक्षा करते हुए हर तरह के कष्ट उठाने को तैयार रहना चाहिए, तथा ऐसा करते हुए यदि प्राण भी चले जाएँ तो सौभाग्य की बात है। इसकी रक्षा के लिए हमें घर-परिवार भी त्यागना पड़े तो भी चिंता नहीं करनी चाहिए। अपनी मातृभूमि के साथ हमें किसी तरह का देश-द्रोह नहीं करना चाहिए। यदि कोई इसकी ओर आँख उठाए तो साहस और निडरता के साथ उसका मुकाबला करना चाहिए।

3. महाराष्ट्र के पत्र 'बाखर' में किस भीषण हत्याकांड का समाचार छपा था? लोगों में इसकी क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर महाराष्ट्र के इतिहास वेत्ता महादेव चिटनवीस ने अपने पत्र 'बाखर' में उस भीषण हत्याकांड का समाचार छापा था जिसमें अउटरम द्वारा हथकड़ी लगाकर लाई गई नाना साहब की एकमात्र पुत्री मैना देवी को कानपुर के किले में जलती आग में जलाकर भस्म कर दिया गया। यह अत्यंत भीषण हत्याकांड था। इस बारे में जिसने भी सुना वह किले की ओर भाग कर गया। शांत भाव से आग में जलती मैना को देखकर, उसे देवी समझकर सबने उसे प्रणाम किया। मैना देवी के इस बलिदान को देख सभी का सिर श्रद्धा से झुक गया।